



भारत की बुनियादी ढाँचे के विकास की यात्रा

प्रलम्ब के लिये:

बुनियादी ढाँचा, GPS, गैलेथिया खाड़ी, भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा, सागरमाला, नमो भारत ट्रेन, RRTS कॉरिडोर, परवतमाला कार्यक्रम, यूकरेन, गाज़ा, दलिली-मुंबई एक्सप्रेसवे, PM गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान, डेडकिटेड फ़रेट कॉरिडोर, कवच, वैकल्पिक ईंधन, गरीन बलिडगि, PLI।

मेन्स के लिये:

भारत के बुनियादी ढाँचे के विकास के लिये उपलब्धियाँ, चुनौतियाँ और आगे की राह।

[स्रोत: बज़िनेस स्टैंडर्ड](#)

चर्चा में क्यों?

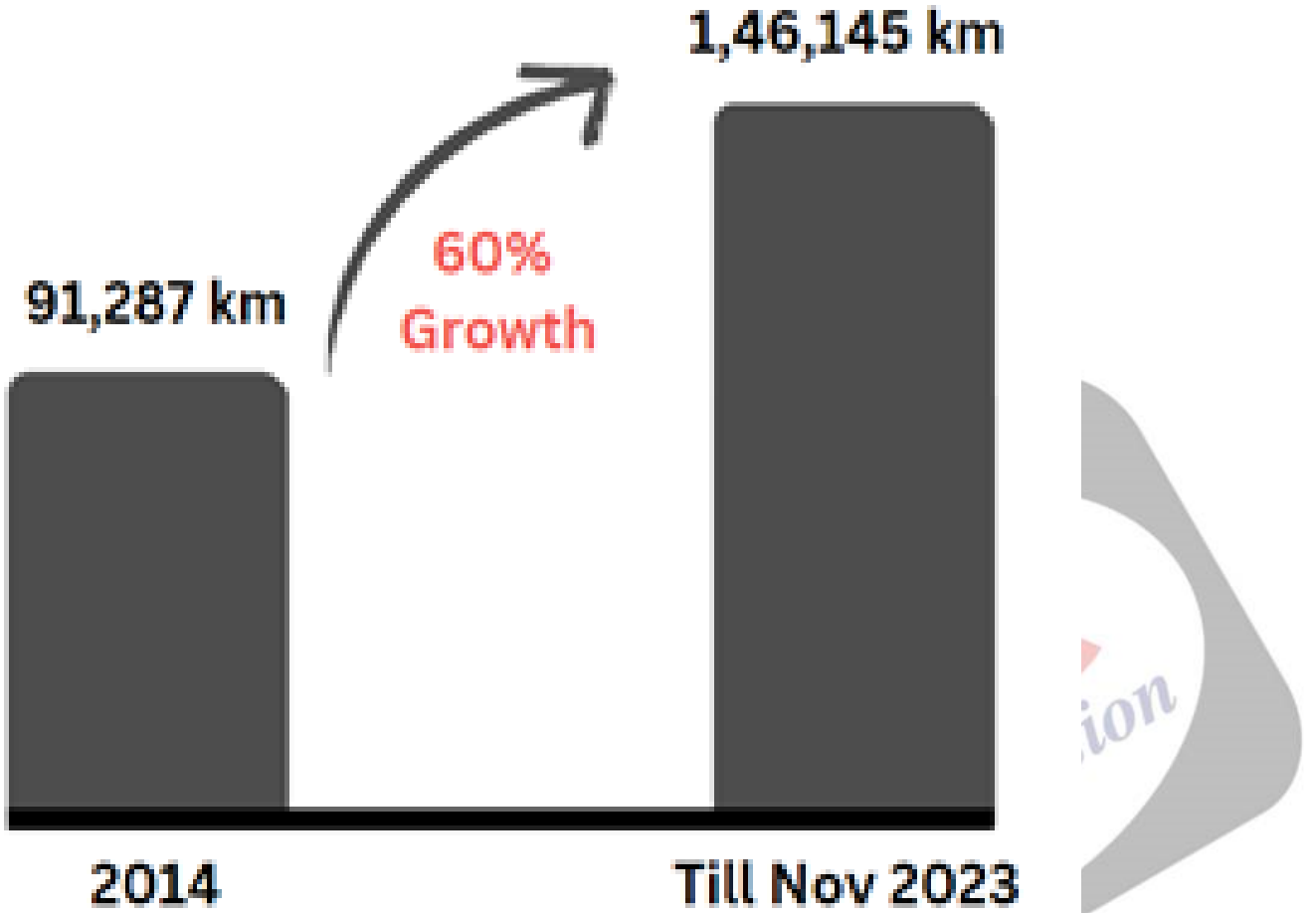
पछिले 25 वर्षों में बढ़ती प्रगति और नज़ी भागीदारी के साथ भारत का बुनियादी ढाँचा बदल गया है। हालाँकि चुनौतियाँ बनी हुई हैं क्योंकि वर्ष 2047 तक 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य तक पहुँचने के लिये आवश्यक बुनियादी ढाँचे का 90% निर्माण अभी भी किया जाना है।

वर्ष 2024 तक बुनियादी ढाँचा क्षेत्र में भारत की उपलब्धियाँ क्या हैं?

- सड़कें और राजमार्ग: वर्ष 2000 के बाद से सड़क नेटवर्क लगभग तीन गुना बढ़कर 146,000 कमी. हो गया है, जिसमें आधुनिक प्रवेश-नियंत्रित एक्सप्रेसवे और [GPS-आधारित टोल प्रणाली](#) शामिल हैं।
 - वर्ष 2014 के बाद से, सरकार ने 3.74 लाख कमी. ग्रामीण सड़कें बनाई हैं, जिससे 99% से अधिक ग्रामीण बस्तियों को जोड़ा गया है और पहुँच में सुधार हुआ है।
 - 25 वर्षों में टोल संग्रह 2.1 ट्रिलियन रुपए तक पहुँच गया, जो नज़ी क्षेत्र की मज़बूत भागीदारी को दर्शाता है।

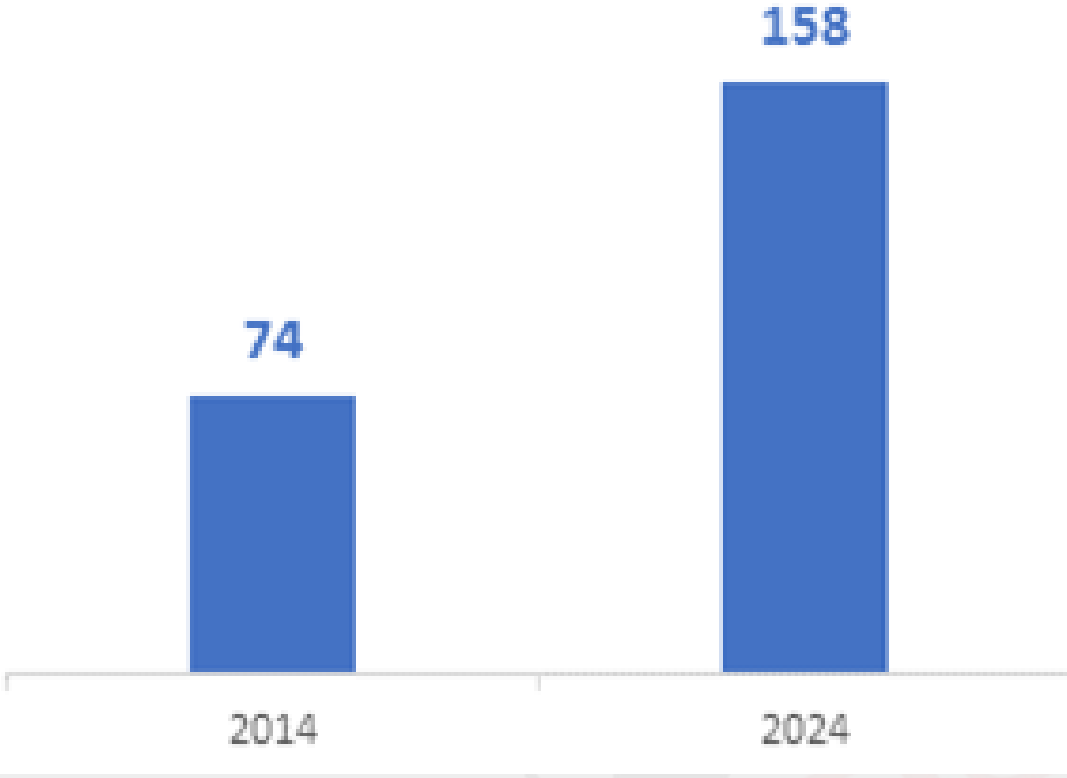
//

Total Length of National Highway



- **रेलवे:** भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना, जिसमें 280 कमी./घंटा की गति से चलने की क्षमता होगी, वर्ष 2026 तक पूरी हो जाएगी।
 - दिसंबर 2023 तक, 93.83% ब्रॉड-गेज ट्रेक (जिसे बड़ी लाइन कहा जाता है और दो पटरियों के बीच की दूरी 5 फीट 6 इंच है) का वदियुतीकरण हो चुका है, जो वर्ष 2014 में 21,801 कमी. से अधिक था।
 - कंचनजंगा एक्सप्रेस दुर्घटना जैसी कई हाई-प्रोफाइल घटनाओं के बावजूद पछिले दशक में दुर्घटनाओं में कमी आई है।
- **समुद्री क्षेत्र:** भारत वर्ष 2047 तक शीर्ष पाँच जहाज़ निर्माण राष्ट्र बनने के लिये 54 ट्रिलियन रुपए का निवेश करने की योजना बना रहा है।
 - व्यापारिक संपर्क को बढ़ावा देने के लिये गैलेथिया खाड़ी और भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे जैसे बड़े बंदरगाहों का विकास किया जा रहा है।
 - सरकार ने 5.8 लाख करोड़ रुपए के निवेश से बंदरगाह आधुनिकीकरण और तटीय संपर्क सहित 839 सागरमाला परियोजनाएँ शुरू की हैं।
- **वमिानन:** साप्ताहिक घरेलू उड़ानें वर्ष 2000 में 3,568 से बढ़कर वर्ष 2024 में 22,484 हो गईं।
 - इंडिगो जैसी कम लागत वाली वमिान सेवा कंपनियों बाज़ार पर हावी हैं, जिसे लाखों लोगों के लिये हवाई यात्रा सुलभ हो गई है।
 - एयर इंडिया और इंडिगो से 1,000 से अधिक वमिानों के ऑर्डर दीर्घकालिक वृद्धि का संकेत देते हैं।
 - वर्ष 2014 और वर्ष 2024 के बीच 84 हवाई अड्डों के निर्माण के साथ परिचालन हवाई अड्डों की कुल संख्या 158 है।

Number of Airports



- **शहरी मेट्रो:** मेट्रो नेटवर्क वर्ष 2014 में 248 कमी. से बढ़कर वर्ष 2024 तक 945 कमी. हो गया है, जो 21 शहरों और 1 करोड़ दैनिक यात्रियों को सेवा प्रदान करता है।
 - **दिल्ली-मेरठ RRTS कॉरिडोर** पर **नमो भारत ट्रेन** क्षेत्रीय संपर्क और शहरी परिवहन को बढ़ाती है।
- **रोपवे विकास:** **परवतमाला कार्यक्रम** के तहत 32 रोपवे परियोजनाएँ शुरू की गई हैं, जसिसे दुर्गम इलाकों में कनेक्टिविटी बढ़ी है और शहरी भीड़भाड़ कम हुई है।

नोट: वशिव बैंक के लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक (LPI) 2023 में भारत 38 वें स्थान पर है

भारत के बुनियादी ढाँचा क्षेत्र के समक्ष चुनौतियाँ क्या हैं?

- **रुकी हुई और विलंबित परियोजनाएँ:** 10 ट्रिलियन रुपए की भारतमाला परियोजना को लालफीताशाही के कारण स्थगित कर दिया गया, जबकि 20 ट्रिलियन रुपए की **वज़िन 2047 योजना** को नीतित्वाव बदलाव के बाद स्थगित कर दिया गया है।
 - वित्तीय बाधाएँ और संसाधनों का कम उपयोग **दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे** तथा **भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे** जैसी बड़े पैमाने की परियोजनाओं में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं।
 - भारत को वर्ष 2047 तक 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिये महत्त्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता है, जबकि 90% बुनियादी ढाँचे का निर्माण अभी भी किया जाना है।
- **धीमी प्रगति:** रेलवे मार्ग का वसतिर धीमा रहा है, वर्ष 2000 से अब तक औसतन **प्रतिवर्ष केवल 231 कमी.** नई पटरियाँ जोड़ी गई हैं, जो प्रतिदिन एक किलोमीटर से भी कम है।
 - राजमार्ग परियोजना **अनुबंधों में तीव्र गतिवर्धन आई** है, जो अगस्त 2024 तक 1,152 कमी. के ऐतिहासिक न्यूनतम स्तर पर पहुँच गई है।
- **नज्जी क्षेत्र पर निर्भरता:** यद्यपि नज्जी क्षेत्र की भागीदारी में वृद्धि हुई है, फरि भी परियोजनाओं के लिये **पूँजी का पुनर्चक्रण** एक चुनौती बनी हुई है।
 - टोल संग्रह ने **समानता संबंधी** चिंताएँ उत्पन्न कर दी हैं, क्योंकि वर्ष 2000 से अब तक एकत्रित **2.1 ट्रिलियन रुपए में से नज्जी नगिर्मों** को 1.4 ट्रिलियन रुपए ही प्राप्त हुआ है।
 - **पूँजी का पुनर्चक्रण गैर-प्रमुख या कम प्रदर्शन करने वाली परसिंपत्तियों को बेचने** और अधिक लाभदायक अवसरों में **पुनर्निवेश करने** की रणनीति है।
- **समुद्री व्यवधान:** समुद्री क्षेत्र वर्ष 2047 तक शीर्ष 5 जहाज़ निर्माण राष्ट्र बनने के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिये संघर्ष कर रहा है, **यूक्रेन और गाज़ा युद्धों तथा वैश्विक आपूर्ति शृंखला** के पतन से इसमें बाधा आ रही है।
- **वमिनन क्षेत्र से संबंधित बाधाएँ:** तीव्र प्रतिस्पर्धा के कारण **जेट एयरवेज, कगिफशिर एयरलाइंस और गो फर्स्ट** सहित कई एयरलाइनें **दवालिया** हो गई हैं।
 - **इंडगो और नज्जीकृत एयर इंडिया** के बीच बाज़ार एकीकरण से प्रतिस्पर्धा सीमति हो जाती है और **एकाधिकारवादी प्रवृत्तियों का खतरा उत्पन्न हो जाता है**।

बुनियादी ढाँचे के विकास के लिये सरकार की पहल क्या हैं?

- पीएम गति शक्ति योजना
- भारतमाला योजना
- राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (NIP)
- सागरमाला परियोजना
- उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान)

आगे की राह:

- **एकीकृत अवसंरचना:** यह सुनिश्चित करके कि अवसंरचना विकास एक-दूसरे के पूरक हैं, पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान देरी और दोहराव को कम करता है, जबकि उच्च गति संचार को बढ़ाता है।
- **एक्सप्रेसवे, हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, समरपति वस्तु ढुलाई कॉरिडोर,** उन्नत हवाई अड्डे और **मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क** जैसे उच्च गति परिवहन नेटवर्क व्यापार एवं आपूर्ति शृंखला के प्रदर्शन को बढ़ावा देते हैं।
- **सुरक्षा एवं लचीला बुनियादी ढाँचा:** रेलवे के लिये **कवच** और उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणाली जैसी सरकार की पहलों का उद्देश्य दुर्घटनाओं को कम करना एवं सुरक्षा में सुधार करना है।
- वाहनों में **उन्नत चालक सहायता प्रणाली (ADAS)** जैसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने तथा **सुरक्षा बुनियादी ढाँचे के निर्माण से** नागरिकों की सुरक्षा बढ़ेगी एवं मृत्यु दर में कमी आएगी।
- **हरित प्रौद्योगिकियों को शामिल करना:** सार्वजनिक परिवहन में **इलेक्ट्रिक वाहनों** और **वैकल्पिक ईंधनों** की ओर बदलाव से परिवहन क्षेत्र के कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी तथा **FAME-II** एवं **PLI** जैसी योजनाएँ इस बदलाव को गति देंगी।
- हरित भवन, जल संरक्षण, **अपशिष्ट प्रबंधन और नवीकरणीय ऊर्जा** पर ध्यान केंद्रित करने से भविष्य की बुनियादी संरचना सतत एवं जलवायु-अनुकूल बनेगी।
- **तकनीकी एकीकरण:** सुगम टोल भुगतान के लिये **फास्टैग** और हवाई अड्डे पर आसान चेक-इन के लिये **डिजिटाइज्ड ऐप** जैसी प्रौद्योगिकी का उपयोग सुविधा में वृद्धि कर यात्रा का समय बचाता है।
- **नीति और वनियामक सुधार:** भारत को बुनियादी ढाँचे के लक्ष्यों को पूरा करने के लिये विशेष रूप से बंदरगाहों, रेलवे और विमानन में **नज्दी क्षेत्र के नविश को बढ़ावा देने** के लिये वनियामक सुधार एवं एक स्पष्ट नीति ढाँचे को आगे बढ़ाना चाहिये।
- सरकार, **नज्दी क्षेत्र और स्थानीय समुदायों** को आवश्यक नीतियों तथा नविशों सहित **बहु-वर्षीय राष्ट्रीय परिवहन रणनीति** विकसित करने के लिये सहयोग करना चाहिये।

???????? ???? ???? ???? ????:

प्रश्न: भारत के बुनियादी ढाँचा क्षेत्र की उपलब्धियों और चुनौतियों का विश्लेषण कीजिये तथा इसके भविष्य के विकास के लिये उपाय सुझाइये।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. भारत में 'पब्लिक की इंफ्रास्ट्रक्चर' पदबंध किसके प्रसंग में प्रयुक्त किया जाता है? (2020)

- (a) डिजिटल सुरक्षा अवसंरचना
- (b) खाद्य सुरक्षा अवसंरचना
- (c) स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा अवसंरचना
- (d) दूरसंचार और परिवहन अवसंरचना

व्याख्या: (a)

प्रश्न: 'राष्ट्रीय नविश और बुनियादी ढाँचा कोष' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2017)

1. यह नीति आयोग का अंग है।
2. वर्तमान में इसके पास 4,00,000 करोड़ रुपए का कोष है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

?????:

प्रश्न1. "अधिक तीव्र और समावेशी आर्थिक विकास के लिये बुनियादी ढाँचे में निवेश आवश्यक है।" भारत के अनुभव के आलोक में चर्चा कीजिये। (2021)

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-s-journey-of-infrastructure-development>

